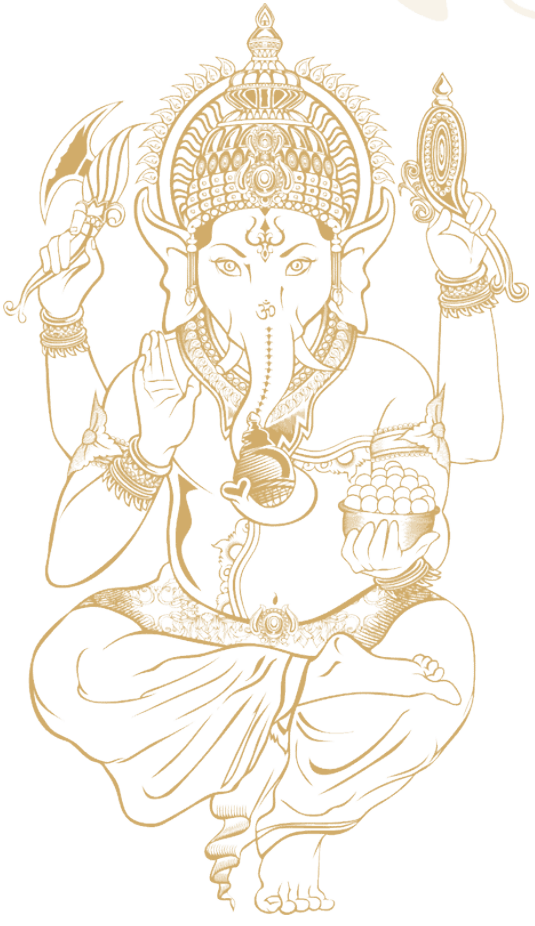

Yash garg

Ashi garg

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119890007

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/10/1997	जन्म तिथि	20/12/2000
मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 21:47:00	जन्म समय	14:40:00 घंटे
घटी 38:28:46	जन्म समय(घटी)	18:28:39 घटी
India	देश	India
Hissar	स्थान	Jind
29:10:00 उत्तर	अक्षांश	29:19:00 उत्तर
75:45:00 पूर्व	रेखांश	76:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:00	स्थानिक संस्कार	-00:24:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:23:29	सूर्योदय	07:14:25
18:05:52	सूर्यास्त	17:30:12
23:49:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:57

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 2वर्ष 4मा 3दि		27:06:46	वृष	लग्न	मेष	21:12:41	मंगल 1वर्ष 5मा 2दि	
शुक्र		20:36:28	कन्या	सूर्य	धनु	04:55:35	गुरु	
09/02/2007		28:09:48	वृश्चि	चंद्र	तुला	03:57:13	24/05/2020	
09/02/2027		12:20:17	वृश्चि	मंगल	तुला	04:13:12	24/05/2036	
शुक्र	11/06/2010	15:55:48	कन्या	बुध	धनु	01:52:11	गुरु	12/07/2022
सूर्य	11/06/2011	18:16:05	मक व	गुरु व	वृष	09:26:31	शनि	22/01/2025
चन्द्र	09/02/2013	05:25:25	वृश्चि	शुक्र	मक	20:01:49	बुध	30/04/2027
मंगल	11/04/2014	23:16:51	मीन व	शनि व	वृष	01:19:50	केतु	05/04/2028
राहु	11/04/2017	25:38:09	सिंह व	राहु व	मिथु	21:46:01	शुक्र	05/12/2030
गुरु	11/12/2019	25:38:09	कुंभ व	केतु व	धनु	21:46:01	सूर्य	23/09/2031
शनि	09/02/2023	10:55:52	मक व	हर्ष	मक	24:15:17	चन्द्र	22/01/2033
बुध	10/12/2025	03:21:22	मक व	नेप	मक	11:04:10	मंगल	29/12/2033
केतु	09/02/2027	09:49:38	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	19:28:34	राहु	24/05/2036

लग्न-चलित

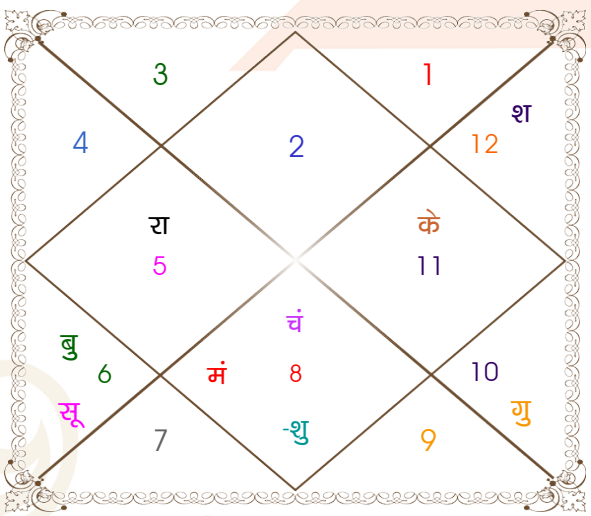

लग्न-चलित

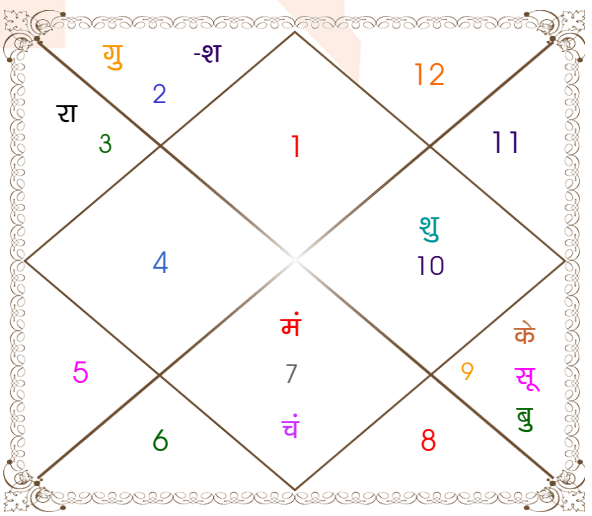

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Yash garg का वर्ग मृग है तथा Ashi garg का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yash garg और Ashi garg का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Yash garg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Yash garg कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Yash garg कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ashi garg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।

न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ashi garg कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ashi garg कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Yash garg कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Yash garg तथा Ashi garg में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।